नव निर्माण करें

श्री रामनाथ
संदेशवाहक

बून्द बून्द पानी को पा कर,
जल पावन का ज्ञान करें।
हम भारत भाग्य विधाता बन,
नया राष्ट्र निर्माण करें।
अपने देश भारत की खातिर
अर्पण अपने प्राण करें।

गाँधी नेहरु इन्दिरा जी की,
हम भी एक तस्वीर हैं।
हम ही भावी कर्ण धार,
हम ही भारत के वीर हैं।
भेद जाति का भूत भगा कर,
स्वच्छ राष्ट्र निर्माण करें।
देश जाति की खातिर हंस-हंस,
अर्पण अपने प्राण करें।

दिशा-दिशा में नगर ग्राम में,
बीज शान्ति के उपजायें।
विश्व शांति के हैं हामी,
राष्ट्र पताका फहरायें।
हम ही सच्चे सेवक बन,
शान्ति राष्ट्र निर्माण करें।
देश जाति की खातिर हंस-हंस,
अर्पण अपने प्राण करें।

भगत सिंह शेखर शहीद की,
आन न हम जाने देंगे।
धर्म मजहब की खातिर,
शान न हम मिटने देंगे।
हम हैं भारत भाग्य विधाता,
नया राष्ट्र निर्माण करें।
अपने देश भारत की खातिर,
अर्पण अपने प्राण करें।

***